[श्री ब्रजराज सिंह]

अच्छा दृष्टिकोण पैदा होगा। जनता सोचेगी कि यह लोग जो हैं वह चाहते हैं कि हम सब की आमदनी बराबर आये और समाजवादी समाज की रचना हो। इस से उन लोगों के अन्दर उत्साह पैदा होगा और वह इस प्लैन को सफल बनाने के लिये मदद कर सकते हैं।

एक शब्द मैं कहना चाहूंगा फौज के सिलसिले में। आज एक माननीय सदस्य ने कहा कि हमें अपनी फौज को बढ़ाना है क्योंकि हमें खतरा हो सकता है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आज के वैज्ञानिक प्रगित के युग में हम अपनी फौज को बढ़ाकर अपने मुल्क की रक्षा नहीं कर सकते। मुल्क की रक्षा के लिए हमें वही दृष्टिकोण अपनाना होगा जो आजादी की लड़ाई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपनाया था और उसके द्वारा देश को ऐसी आत्मा दी थी जिसको लेकर हम विदेशी हकूमत से लड़ सके। मैं निवेदन करूंगा कि सरकार को वही दृष्टिकोण अपनाना चाहिये। हमारे मुल्क का जो रक्षा व्यय बढ़ा रहा है उसे हमको घटाने की जरूरत है। हम पाकिस्तान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ायें और कहें कि हम लड़ना नहीं चाहते और देश की जनता में ऐसी भावना पैदा करें कि अगर हमारे मुल्क पर पाकिस्तान से या कहीं से भी हमला हो तो हमारे मुल्क का एक एक नागरिक अपने देश की रक्षा के लिए खून की नदियां बहा दे। तभी हम अपने देश की रक्षा कर सकते हैं।

मैं यह निवेदन करूंगा कि जब तक हम रक्षा व्यय नहीं घटाते तब तक विकास के काम आगे नहीं बढ़ सकते। इस लिए मैं चाहूंगा कि हमारा रक्षा व्यय घटाया जाये तभी हम विकास के कार्य बढ़ा सकते हैं। मैं माननीय सदस्य की इस राय से बिल्कुल सहमत नहीं हूं कि हम अपना रक्षा व्यय बढ़ाते चले जायें क्योंकि हमें पाकिस्तान से खतरा हो सकता है। पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के नागरिक एक ही खून के हैं। कल तक हम साथ साथ रहते थे। आज हममें कुछ गलतफहमी हो गयी है। पाकिस्तान में कुछ लोग चाहते हैं कि अपनी दिक्कतों को दूर करने के लिए हिन्दुस्तान के खिलाफ आवाज उठाते रहें लेकिन उसकी वजह से यह नहीं समझना चाहिए कि पाकिस्तान की जनता और हिन्दुस्तान की जनता अलग अलग है। दोनों देशों की जनता एक है। दोनों देशों की जनता चाहती है कि शान्ति रहे। महात्मा गांधी के सन्देश के अनुसार सारे संसार में शान्ति चाहते हैं। वह शान्ति तभी हो सकती है जब कि हम रक्षा व्यय में कुछ घटाकर दिखायें कि हम अपने शान्ति के संदेश को अमली रूप देने के लिए रक्षा व्यय को घटा रहे हैं।

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

TWENTY-FIRST REPORT

Shri Rane (Buldana): Sir, I beg to present the Twenty-first Report of the Business Advisory Committee.

GENERAL BUDGET—GENERAL DISCUSSION—*contd.*

Shri V. P. Nayar (Quilon): Sir, may I get a chance?

Mr. Chairman: The list has been given. It is already 5.05. Is it the wish of the House to sit for some time more?

Some Hon. Members: No, no.

Shri V. P. Nayar: If I will get my chance tomorrow, it is all right, Sir.

17.05 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, the 18th March, 1958.